



क्र. अका./09/4703

दि. 17.11.09

अधिसूचना

विद्या परिषद की बैठक दिनांक 05.10.09 में लिए गए निर्णयानुसार, सतत् आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अनुत्तीर्ण या अनुपस्थित विद्यार्थियों को निम्न शर्तों के आधार पर पाठ्यक्रम पूर्ण करने का अवसर दिया जाता है ।
1.सतत् आंतरिक मूल्यांकन की बैकलाग परीक्षा में इस बात का परीक्षण किया जायेगा कि छात्र ने पाठ्यक्रम के पर्व के हर यूनिट के हिस्से को समझकर उसका अनुप्रयोग सीखा है ।

2.छात्र को पूरे पाठ्यक्रम की पांचो यूनिटों से संबंधित चार आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा देनी होगी जिसमें पहली आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में पहली यूनिट का पूरा ओर दूसरी यूनिट का आधा अंश होगा। ऐसा ही चार मूल्यांकन परीक्षाओं में होगा । उदाहरण के लिए चार आंतरिक मूल्यांकन (प्रत्येक 5 अंक) की परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक वाली तीन आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाओं का औसत निकालकर कुल 15 अंकों में से मूल्यांकन किया जायेगा ।इसी प्रकार छात्रों को चार प्रायोगिक कार्य उपरोक्तानुसार यूनिटवार विवरण के आधार पर भी जमा करने होंगे । इनका मूल्यांकन कुल 10 अंकों के आधार पर किया जायेगा ।

3.विद्यार्थी अपने सम्बद्ध विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग/अध्ययन केन्द्रों से ही आंतरिक मूल्यांकन एवं एसाइनमेन्ट की परीक्षा आगामी दो सेमेस्टर परीक्षा के साथ ही दे सकेंगे ।विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग/अध्ययन केन्द्र बैकलाग परीक्षा के विभाग/केन्द्र के शिक्षक को परीक्षक नियुक्त कर सकेगा जो निर्धारित प्रक्रिया/अंकों में से मूल्यांकन कर सकेगा ।

4.सतत् आंतरिक परीक्षा से संबंधित एसाइनमेन्ट /आंतरिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकायें विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग को भेजी जावेगी जिनमें से कुछ की जाँच विश्वविद्यालय अपने स्तर पर भी कर सकेगा ।

5.आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन के लिए विद्यार्थी से रूपये 1000/ प्रति प्रश्न पत्र परीक्षा शुल्क लिया जायेगा ।

6.उपरोक्त व्यवस्था मीडिया पाठ्यक्रमों के लिए है। आई.टी./कम्प्यूटर पाठ्यक्रमों के संबंध में पृथक से आदेश जारी किये जायेंगे ।

-sd-

(प्रकाश साकल्ले)
कुलसचिव

प्रतिलिपि—

- 1.निदेशक, नोएडा परिसर ।
- 2.प्रभारी, कर्मवीर विद्यापीठ, खण्डवा ।
- 3.समस्त विभागाध्यक्षगण ।
- 4.परीक्षा नियंत्रक ।
- 5.उपकुलसचिव (परीक्षा)
- 6.सहायक कुलसचिव (अध्ययन केन्द्र) को समस्त अध्ययन केन्द्रों को सूचित करने हेतु ।

-sd-

(प्रकाश साकल्ले)
कुलसचिव



क्र. अका./09/4704

दि. 17.11.09

अधिसूचना

विद्या परिषद की बैठक दिनांक 05.10.09 में लिए गए निर्णयानुसार ऐसे विद्यार्थी जो सतत् आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अनुत्तीर्ण है एवं जिनके पाठ्यक्रम की वैधता खत्म हो गयी है को निम्न शर्तों की पूर्ति करते हुए, जनवरी 2010 में प्रवेश लेकर जून 2010 परीक्षा में पाठ्यक्रम पूर्ण करने का अंतिम अवसर दिया जाता है ।

1. यह अवसर केवल उन छात्रों के लिए है जिनका नामांकन जुलाई 2002 में या उसके बाद हुआ हो ।
2. विद्यार्थी जिस सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन में अनुत्तीर्ण है उस सेमेस्टर में उन्हें प्रवेश लेकर 6 सप्ताह तक शिक्षण प्राप्त करना होगा । उपस्थिति के प्रमाणन के पश्चात् आंतरिक मूल्यांकन की परीक्षा शैक्षणिक विभाग /अध्ययन केन्द्र द्वारा ली जावेगी ।
3. सतत् आंतरिक मूल्यांकन की बैकलाग परीक्षा में इस बात का परीक्षण किया जायेगा कि छात्र ने पाठ्यक्रम के पर्चे के हर यूनिट के हिस्से को समझकर उसका अनुप्रयोग सीखा है ।
4. छात्र को पूरे पाठ्यक्रम की पांचो यूनिटों से संबंधित चार आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा देनी होगी जिसमें पहली आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में पहली यूनिट का पूरा और दूसरी यूनिट का आधा अंश होगा ऐसा ही चार मूल्यांकन परीक्षाओं में होगा । उदाहरण के लिए चार आंतरिक मूल्यांकन (प्रत्येक 5 अंक) की परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक वाली तीन आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाओं का औसत निकालकर कुल 15 अंकों में से मूल्यांकन किया जायेगा । इसी प्रकार छात्रों को चार प्रायोगिक कार्य उपरोक्तानुसार यूनिटवार विवरण के आधार पर भी जमा करने होंगे । इनका मूल्यांकन कुल 10 अंकों के आधार पर किया जायेगा
5. विद्यार्थी अपने सम्बद्ध विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग /अध्ययन केन्द्रों से ही आंतरिक मूल्यांकन एवं एसाइनमेन्ट की परीक्षा आगामी दे सकेंगे । विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग / अध्ययन केन्द्र बैकलाग परीक्षा के विभाग/केन्द्र के शिक्षक को परीक्षक नियुक्त कर सकेगा जो निर्धारित प्रक्रिया/अंकों में से मूल्यांकन कर सकेगा ।
6. उपरोक्त व्यवस्था मीडिया पाठ्यक्रमों के लिए है । आई.टी./कम्प्यूटर पाठ्यक्रमों के संबंध में पृथक से आदेश जारी किये जायेंगे ।
7. सतत् आंतरिक परीक्षा से संबंधित एसाइनमेन्ट /आंतरिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकायें विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग को भेजी जावेगी जिनमें से कुछ की जाँच विश्वविद्यालय अपने स्तर पर भी कर सकेगा ।

8. ऐसे विद्यार्थियों को निम्नानुसार शुल्क लिया जायेगा -

1. नामांकन शुल्क रूपये 1250 / रु देना होगा ।
2. शिक्षण शुल्क निम्नानुसार देय होगा-

(क)	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम	1500 / रु
(ख)	स्नातक पाठ्यक्रम	1200 / रु
(ग)	डिप्लोमा पाठ्यक्रम	1000 / रु

3. आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा शुल्क 1000 रु प्रति प्रश्न पत्र ।

-sd-

(प्रकाश साकल्ले)
कुलसचिव



माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
(मध्य प्रदेश विधानसभा के अधिनियम क्रमांक 15, 1990 द्वारा स्थापित)
MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM & COMMUNICATION
(Setup by Act No.15, 1990 of M.P.Legislative Assembly)

क्रमांक/परीक्षा-1/2009/10423

भोपाल, दिनांक : 04/12/2009

प्रतिलिपि—

- 1.निदेशक, नोएडा परिसर ।
- 2.प्रभारी, कर्मवीर विद्यापीठ, खण्डवा ।
- 3.समस्त विभागाध्यक्षगण ।
- 4.परीक्षा नियंत्रक ।
- 5.उपकुलसचिव (परीक्षा)
- 6.सहायक कुलसचिव (अध्ययन केन्द्र) को समस्त अध्ययन केन्द्रों को सूचित करने हेतु ।

-sd-

(प्रकाश साकल्ले)
कुलसचिव



क्र. अका./09/5053

दि. 07.12.09

अधिसूचना

विद्या परिषद की बैठक दिनांक 05.10.09 में लिए गए निर्णयानुसार, कम्प्यूटर पाठ्यक्रमों(बीसीए, पीजीडीसीए, बीएससी(आईटी), एमएससी(सीएस), एमएससी(आईटी)) के सतत् आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अनुत्तीर्ण या अनुपस्थित विद्यार्थियों को निम्न शर्तों के आधार पर पाठ्यक्रम पूर्ण करने का अवसर दिया जाता है ।
अ. एम.एस.सी.(आईटी) पाठ्यक्रम के विद्यार्थी के लिए निम्नानुसार व्यवस्था होगी –

1.सतत् आंतरिक मूल्यांकन की बैकलाग परीक्षा में इस बात का परीक्षण किया जायेगा कि छात्र ने पाठ्यक्रम के पर्चे के हर यूनिट के हिस्से को समझकर उसका अनुप्रयोग सीखा है ।

2.सैद्धान्तिक आंतरिक मूल्यांकन- के लिए छात्र को पूरे पाठ्यक्रम की पांचो यूनिटों से संबंधित चार आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा देनी होगी जिसमें पहली आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में पहली यूनिट का पूरा ओर दूसरी यूनिट का आधा अंश होगा । ऐसा ही चार मूल्यांकन परीक्षाओं में होगा । उदाहरण के लिए चार आंतरिक मूल्यांकन (प्रत्येक 8 अंक) की परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक वाली तीन आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाओं का औसत निकालकर कुल 32 अंको में से मूल्यांकन किया जायेगा ।इसी प्रकार छात्रों को चार प्रायोगिक कार्य उपरोक्तानुसार यूनितवार विवरण के आधार पर भी जमा करने होंगे । इनका मूल्यांकन कुल 8 अंकों के आधार पर किया जायेगा । इस प्रकार कुल 40 अंको के आधार पर मूल्यांकन होगा ।

3.मेजर प्रोजेक्ट आंतरिक मूल्यांकन-आंतरिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी को आंतरिक मौखिक परीक्षा एवं प्रोजेक्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रोजेक्ट के निर्धारित आंतरिक अंको का मूल्यांकन आगामी दो सेमेस्टर के अंदर किया जाना चाहिए, ।

3.1विद्यार्थी मेजर प्रोजेक्ट की बाह्य परीक्षा तथा आंतरिक परीक्षा दोनो में अनुत्तीर्ण होता है तो ऐसी स्थिति में विद्यार्थी आगामी दो सेमेस्टर के अंदर बैकलाग परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा दे सकेगा ।

4.प्राैक्टिकल आंतरिक मूल्यांकन-

4.1प्राैक्टिकल आंतरिक मूल्यांकन के लिए विद्यार्थी बाह्य परीक्षा में उत्तीर्ण है परन्तु आंतरिकपरीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया है ऐसी स्थिति में विद्यार्थी के आंतरिक मौखिक परीक्षा के आधार पर प्राैक्टिकल आंतरिक परीक्षा के अंको का मूल्यांकन आगामी दो सेमेस्टर के अंदर किया जाना चाहिए, ।

4.2विद्यार्थी प्राैक्टिकल बाह्य परीक्षा में तथा आंतरिक परीक्षा दोनो में अनुत्तीर्ण होता है तो ऐसी स्थिति में विद्यार्थी को आगामी दो सत्रों में बैकलाग परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी ।

ब. एमसीए, एमएससी (सीएस), बीसीए एवं बीएससी (आईटी) पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए निम्नानुसार व्यवस्था होगी –

1.सतत् आंतरिक मूल्यांकन की बैकलाग परीक्षा में इस बात का परीक्षण किया जायेगा कि छात्र ने पाठ्यक्रम के पर्चे के हर यूनिट के हिस्से को समझकर उसका अनुप्रयोग सीखा है ।

2.Internal Assessment/Term work/Continuous Evaluation-प्रत्येक सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन के मूल्यांकन के लिए 100 अंक नियत किए गए है ।



2.1 चूंकि प्रत्येक सेमेस्टर में पाँच विषय होते हैं इसलिए पाँच टेस्ट तथा पाँच एसाइनमेंट देने होंगे जिसमें प्रत्येक विषय के लिए एक टेस्ट एवं एक एसाइनमेंट होगा। जिसमें प्रत्येक विषय के टेस्ट के लिए 10 अंक एवं एसाइनमेंट के लिए 10 अंक निर्धारित किये जायेंगे। टेस्ट एवं एसाइनमेंट में विषय के सभी इकाईयों को शामिल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक विषय के टेस्ट एवं एसाइनमेंट के अंको के योग से प्रत्येक सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन के अंक निर्धारित किये जाने चाहिए।

3. Summer Assignment-के मूल्यांकन के लिए न्यूनतम एक माह का एसाइनमेंट देकर उस पर एक प्रस्तुतीकरण (Presentation) तथा एक रिपोर्ट के आधार पर 100 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

4. Professional Personality Skills- के मूल्यांकन के लिए दिए गए पाठ्यक्रम के आधार पर आंतरिक मौखिक परीक्षा एवं टैस्ट द्वारा निर्धारित 100 अंको के आधार पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

5. Major Project Internal Assessment-

5.1 Major Project Internal Assessment - के मूल्यांकन के लिए यदि विद्यार्थी बाह्य परीक्षा में उत्तीर्ण है परंतु आंतरिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया है तो ऐसी स्थिति में विद्यार्थी की आंतरिक मौखिक परीक्षा एवं प्रोजेक्ट डिमांडेशन के आधार पर प्रोजेक्ट के आंतरिक अंको का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

5.2 यदि विद्यार्थी मेजर प्रोजेक्ट की बाह्य परीक्षा तथा आंतरिक परीक्षा दोनों में अनुत्तीर्ण होता है तो ऐसी स्थिति में विद्यार्थी को मुख्य परीक्षा की पूरी प्रक्रिया को दोहराना होगा।

स. प्रक्रिया -

1. विद्यार्थी अपने सम्बद्ध विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग/अध्ययन केन्द्रों से ही आंतरिक मूल्यांकन एवं एसाइनमेंट की परीक्षा आगामी दो सेमेस्टर परीक्षा के साथ दे सकेंगे। विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग/अध्ययन केन्द्र बैकलाग परीक्षा के विभाग/केन्द्र के शिक्षक को परीक्षक नियुक्त कर सकेगा जो निर्धारित प्रक्रिया/अंकों में से मूल्यांकन कर सकेगा।

2. सतत आंतरिक परीक्षा से संबंधित एसाइनमेंट/आंतरिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकायें विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग को भेजी जावेगी जिनमें से कुछ की जाँच विश्वविद्यालय अपने स्तर पर भी कर सकेगा।

3. आंतरिक परीक्षा मूल्यांकन के लिए विद्यार्थी से रुपये 1000/ प्रति प्रश्न पत्र परीक्षा शुल्क लिया जायेगा।

-sd-

(प्रकाश साकल्ले)
कुलसचिव

प्रतिलिपि-

1. निदेशक, नोएडा परिसर।
2. प्रभारी, कर्मवीर विद्यापीठ, खण्डवा।
3. समस्त विभागाध्यक्षगण।
4. परीक्षा नियंत्रक।
5. उपकुलसचिव (परीक्षा)
6. सहायक कुलसचिव (अध्ययन केन्द्र) को समस्त अध्ययन केन्द्रों को सूचित करने हेतु।

-sd-

(प्रकाश साकल्ले)
कुलसचिव



क. अका./09/5054

दि. 07.12.09

अधिसूचना

विद्या परिषद की बैठक दिनांक 05.10.09 में लिए गए निर्णयानुसार ऐसे विद्यार्थी जो कम्प्यूटर पाठ्यक्रमों (बीसीए, पीजीडीसीए, बीएससी(आईटी), एमएससी(सीएस), एमएससी(आईटी)) की सतत् आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अनुत्तीर्ण है एवं जिनके पाठ्यक्रम की वैधता खत्म हो गयी है को निम्न शर्तों की पूर्ति करते हुए, जनवरी 2010 में प्रवेश लेकर जून 2010 परीक्षा में पाठ्यक्रम पूर्ण करने का अंतिम अवसर दिया जाता है ।

अ. एम.एस.सी.(आईटी) पाठ्यक्रम के विद्यार्थी के लिए निम्नानुसार व्यवस्था होगी -

1.सतत् आंतरिक मूल्यांकन की बैकलाग परीक्षा में इस बात का परीक्षण किया जायेगा कि छात्र ने पाठ्यक्रम के पर्चे के हर यूनिट के हिस्से को समझकर उसका अनुप्रयोग सीखा है ।

2.सैद्धान्तिक आंतरिक मूल्यांकन- के लिए छात्र को पूरे पाठ्यक्रम की पांचो यूनिटों से संबंधित चार आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा देनी होगी जिसमें पहली आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में पहली यूनिट का पूरा ओर दूसरी यूनिट का आधा अंश होगा। ऐसा ही चार मूल्यांकन परीक्षाओं में होगा । उदाहरण के लिए चार आंतरिक मूल्यांकन (प्रत्येक 8 अंक) की परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक वाली तीन आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाओं का औसत निकालकर कुल 32 अंको में से मूल्यांकन किया जायेगा। इसी प्रकार छात्रों को चार प्रायोगिक कार्य उपरोक्तानुसार यूनिटवार विवरण के आधार पर भी जमा करने होंगे । इनका मूल्यांकन कुल 8 अंको के आधार पर किया जायेगा । इस प्रकार कुल 40 अंको के आधार पर मूल्यांकन होगा ।

3.मेजर प्रोजेक्ट आंतरिक मूल्यांकन-आंतरिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी को आंतरिक मौखिक परीक्षा एवं प्रोजेक्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रोजेक्ट के निर्धारित आंतरिक अंको का मूल्यांकन आगामी दो सेमेस्टर की अवधि में किया जाना चाहिए, ।

3.1विद्यार्थी मेजर प्रोजेक्ट की बाह्य परीक्षा तथा आंतरिक परीक्षा दोनो में अनुत्तीर्ण होता है तो ऐसी स्थिति में विद्यार्थी आगामी दो सेमेस्टर के अंदर बैकलाग परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा दे सकेगा ।

4.प्राैक्टिकल आंतरिक मूल्यांकन-

4.1प्राैक्टिकल आंतरिक मूल्यांकन के लिए विद्यार्थी बाह्य परीक्षा में उत्तीर्ण है परन्तु आंतरिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया है ऐसी स्थिति में विद्यार्थी को आंतरिक मौखिक परीक्षा के आधार पर प्राैक्टिकल आंतरिक परीक्षा के अंको का मूल्यांकन आगामी दो सेमेस्टर के अंदर किया जाना चाहिए, ।

4.2विद्यार्थी प्राैक्टिकल बाह्य परीक्षा में तथा आंतरिक परीक्षा दोनो में अनुत्तीर्ण होता है तो ऐसी स्थिति में विद्यार्थी को आगामी दो सत्रों में बैकलाग परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी ।

ब. एमसीए,एमएससी(सीएस),बीसीए एवं बीएससी(आईटी) पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए निम्नानुसार व्यवस्था होगी -

1.सतत् आंतरिक मूल्यांकन की बैकलाग परीक्षा में इस बात का परीक्षण किया जायेगा कि छात्र ने पाठ्यक्रम के पर्चे के हर यूनिट के हिस्से को समझकर उसका अनुप्रयोग सीखा है ।

2.Internal Assessment/Term work/Continuous Evaluation-प्रत्येक सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन के मूल्यांकन के लिए 100 अंक नियत किए गए हैं ।

2.1चूँकि प्रत्येक सेमेस्टर में पाँच विषय होते हैं इसलिए पाँच टेस्ट तथा पाँच एसाइनमेंट देने होंगे जिसमें प्रत्येक विषय के लिए एक टेस्ट एवं एक एसाइनमेंट होगा। जिसमें प्रत्येक विषय के टेस्ट के लिए 10 अंक एवं एसाइनमेंट के लिए 10 अंक निर्धारित किये जायेंगे । टेस्ट एवं एसाइनमेंट में विषय के सभी इकाईयों को शामिल करना अनिवार्य होगा । प्रत्येक विषय के टेस्ट एवं एसाइनमेंट के अंको के योग से प्रत्येक सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन के अंक निर्धारित किये जाने चाहिए ।

3.Summer Assignment-के मूल्यांकन के लिए न्यूनतम एक माह का एसाइनमेंट देकर उस पर एक प्रेजेंटेशन तथा एक रिपोर्ट के आधार पर 100 अंको का आंतरिक मूल्यांकन किया जाना चाहिए ।

4.Professional Personality Skills- के मूल्यांकन के लिए दिए गए पाठ्यक्रम के आधार पर आंतरिक मौखिक परीक्षा एवं टैस्ट द्वारा 100 अंको का मूल्यांकन किया जाना चाहिए ।

5.Major Project Internal Assessment-

5.1 Major Project Internal Assessment - के मूल्यांकन के लिए यदि विद्यार्थी बाह्य परीक्षा में उत्तीर्ण है परंतु आंतरिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया है तो ऐसी स्थिति में विद्यार्थी की आंतरिक मौखिक परीक्षा एवं प्रोजेक्ट डिमॉस्ट्रेशन के आधार पर प्रोजेक्ट के निर्धारित आंतरिक अंको का मूल्यांकन किया जाना चाहिए ।



5.2 यदि विद्यार्थी मेजर प्रोजेक्ट की बाह्य परीक्षा तथा आंतरिक परीक्षा दोनों में अनुत्तीर्ण होता है तो ऐसी स्थिति में विद्यार्थी को मुख्य परीक्षा की पूरी प्रक्रिया को दोहराना होगा ।

स. प्रक्रिया -1.यह अवसर केवल उन छात्रों के लिए है जिनका नामांकन जुलाई 2002 में या उसके बाद हुआ हो

2.विद्यार्थी जिस सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन में अनुत्तीर्ण है उस सेमेस्टर में उन्हें प्रवेश लेकर 6 सप्ताह तक शिक्षण प्राप्त करना होगा । उपस्थिति के प्रमाण के पश्चात् आंतरिक मूल्यांकन की परीक्षा शैक्षणिक विभाग /अध्ययन केन्द्र द्वारा ली जावेगी ।

3.विद्यार्थी अपने सम्बद्ध विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग /अध्ययन केन्द्रों से ही आंतरिक मूल्यांकन एवं एसाइनमेंट की परीक्षा आगामी दे सकेंगे। विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग / अध्ययन केन्द्र बैकलाग परीक्षा के विभाग/केन्द्र के शिक्षक को परीक्षक नियुक्त कर सकेगा जो निर्धारित प्रक्रिया/अंकों में से मूल्यांकन कर सकेगा ।

4.सतत् आंतरिक परीक्षा से संबंधित एसाइनमेंट/आंतरिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकायें विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग को भेजी जावेगी जिनमें से कुछ की जाँच विश्वविद्यालय अपने स्तर पर भी कर सकेगा ।

5.ऐसे विद्यार्थियों को निम्नानुसार शुल्क लिया जायेगा -

1. नामांकन शुल्क रुपये 1250 / रू देना होगा ।

2. शिक्षण शुल्क निम्नानुसार देय होगा-

(क)	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम	1500 / रू
(ख)	स्नातक पाठ्यक्रम	1200 / रू
(ग)	डिप्लोमा पाठ्यक्रम	1000 / रू

3. आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा शुल्क 1000 रू प्रति प्रश्न पत्र ।

-sd-

(प्रकाश साकल्ले)
कुलसचिव

प्रतिलिपि-

1.निदेशक, नोएडा परिसर ।

2.प्रभारी, कर्मवीर विद्यापीठ, खण्डवा ।

3.समस्त विभागाध्यक्षगण ।

4.परीक्षा नियंत्रक ।

5.उपकुलसचिव (परीक्षा)

6.सहायक कुलसचिव (अध्ययन केन्द्र) को समस्त अध्ययन केन्द्रों को सूचित करने हेतु ।

-sd-

(प्रकाश साकल्ले)
कुलसचिव